Supplement—II

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 18-2026] CHANDIGARH, TUESDAY, MAY 5, 2026 (VAISAKHA 15, 1948 SAKA)

General Review

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा की वर्ष 2024–25 वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 16 अप्रैल, 2026

क्रमांक 8/23–2025–पुरा/1260.— पुरातत्व एवं संग्रहालय हरियाणा राज्य की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्विक अनुसंधान, अन्वेषण और संरक्षण के लिए एक प्रमुख विभाग है, इसने वर्ष 1972 में एक स्वतंत्र निदेशालय के रूप में कार्य करना शुरू किया। विभाग राज्य और क्षेत्रीय संग्रहालयों की स्थापना में भी शामिल है। विभाग समय–समय पर प्रदर्शनियों का आयोजन भी करता है और प्राचीन मूर्तियों की प्रतिकृतियां मामूली दरों पर बेचता है ताकि आम जनता को हमारी प्राचीन पुरातात्विक विरासत से परिचित कराया जा सके।

वर्ष 2024–25 के लिए योजना पक्ष पर 23.60 करोड़ रुपये और गैर–योजना पक्ष पर 4.78 करोड़ रुपये और पूंजीगत पक्ष पर 15 करोड़ रुपये का योजना परिव्यय स्वीकृत किया गया। इसके अलावा एन सी आर पी बी के लिए 230 करोड़ रुपये भी 03 वर्ष हेतू स्वीकृत किए गए जिसमें से 77.64 करोड़ वित वर्ष 2024–25 के प्रथम चरण के लिए स्वीकृत किए गए। इसका अधिकांश हिस्सा इन संग्रहालयों की स्थापना और स्थल और स्मारकों के संरक्षण के लिए आवंटित किया गया।

मिर्जा अली जान तख्त और बावली नारनौल, छत्ता राय बालमुकुंद दास, नारनौल, चोर गुंबद, नारनौल, पीर तुर्कमान, नारनौल, सोभा सरोवर, मुकुंदपुरा बावली, इस्लामपुर का किला, त्रिपोलिया गेटवे, भीमा देवी मंदिर, पिंजौर, पंचकूला, के संरक्षण कार्य, राखीगढ़ी साइट संग्रहालय में अतिरिक्त कार्य, और राज्य संग्रहालय पंचकूला में लिफ्ट और वर्क स्टेशन का कार्य लोक निर्माण विभाग (बी एंड आर) हरियाणा को राशि जारी की गई है तथा कार्य प्रगति पर हैं। रानी की छतरी और टैंक, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, लोहारू किला, जिला भिवानी किला जफरगढ़, जींद, सफीदों किला, जींद, लाल गुंबद, सोहना गुरूग्राम और ब्रिक बावली कैथल के संरक्षण के लिए हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम को जारी किए गए। केसुरिया खेड़ा गाँव मानपुर पलवल के संरक्षण कार्य लिए चारदीवारी, परिचर कक्ष, सार्वजनिक सुविधाएं के लिए हरियाणा पुलिस हाउंसिंग निगम को राशि जारी की गई। देहरा मंदिर, गाँव भोंड, फिरोजपुर झिरका जिला नूह के लिए हरियाणा पर्यटन निगम को संरक्षण कार्य के लिए राशि जारी की गई और राखीगढ़ी स्थल संग्रहालय व्याख्यान केन्द्र के लिए परामर्श शुल्क के लिए डिजाइन फैक्टरी ऑफ इंडिया को राशि जारी की गई।

विभाग ने हरियाणा सरकार के स्कूल शिक्षा निदेशालय के सहयोग से एक परियोजना भी शुरू की है, जो स्कूली बच्चों में विरासत के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता विकसित करने पर केंद्रित है और विभाग ने 07 जिलों में अनुरोध के अनुसार हेरिटेज किट वितरित की हैं। विभाग ने 34 हेरिटेज कार्यक्रमों का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया जिनमें हेरिटेज वॉक, पर्यटन, सेमिनार, कार्यक्रम, कार्यशाला और प्रदर्शनियां शामिल हैं।

अमित कुमार अग्रवाल,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़।

दिनांक 13 दिसम्बर, 2025.

REVIEW ON THE ADMINISTRATIVE REPORT OF ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS, HARYANA, DEPARTMENT FOR THE YEAR 2024-25.

The 16th April, 2026

No. 8/23-2025/pura/1260.— Archaeology and Museums, Haryana is a premier Department for archaeological research, exploration and protection of cultural heritage of the State, it started functioning as an independent Directorate in the year 1972. The Department is also involved in setting up State and Zonal museums. The Department also organizes exhibitions from time to time and sells replicas of ancient sculptures at nominal rates so as to acquaint the general public about our ancient archaeological heritage.

Plan outlay of Rs. 23.60 Crore was sanctioned on plan side and Rs. 4.78 Crore on Non plan side and Rs. 15 Crore on capital side for the year 2024-25. In addition to this Rs. 230 Crore for 3 years out of which Rs. 77.64 Crore for 1st Phase i.e. FY 2024-25, was also sanctioned for NCRPB. Majority of this was allocated for the establishment of these museums and conservation of sites and monuments.

Conservation Work at Mirza Ali Zan's Takhat and Baoli Narnaul, Chhata Rai Balmukund Dass, Narnaul, Chor Gumbad, Narnaul, Pir Turkman, Narnaul, Sobha Sarovar, Baoli at Mukundpura, Fort of Islampur, Triploia Gateway, Bhima Devi Temple, Pinjore, Panchkula, Additional work at Rakhigarhi Site Museum, lift and work station at State Museum through Public Work Department (B&R) Haryana and work on progress. In addition to this Rani ki Chhatri and Tank, Ballabhgarh, Faridabad, Loharu Fort, District Bhiwani, Qilla Zaffargarh, Jind, Safidon Fort, Jind, Lal Gumbad, Sohna, Gurugram and Brick Baoli Kaithal for conservation work through Haryana State Road and Bridges Development Corporation Limited. Kesuria Khera Village Manpur Palwal for boundary wall, attendant room, Public amenities from Haryana Police Housing Corporation, Dehra Mandir, Village Bhond, Nuh to Haryana Tourism Corporation, Haryana, Chandigarh and Consultancy Charges for Rakhigarhi to Design Factory of India.

The department has also initiated a project in collaboration with Directorate of School Education, Government of Haryana that focuses on developing Heritage sensitivity and awareness among school children and the department distributed Heritage Kit in 07 districts as per demand received. The department also organized 34 Heritage Programmes successfully in which Heritage Walk, Tourism, Seminar, Programme, Workshop and exhibitions are included.

AMIT KUMAR AGRAWAL,
Commissioner & Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department, Chandigarh.

The 13th December, 2025.

12593—C.S.—H.G.P., Pkl.